**CBSE कक्षा 11 इतिहास**
**पाठ-8 संस्कृतियों का टकराव**
**पुनरावृत्ति नोट्स**

**स्मरणीय तथ्य-**

- यूरोपवासियों द्वारा अज्ञात महासागरों में साहसपूर्ण अभियान जहाँ से वे मसालें एवं चाँदी प्राप्त कर सकते थे।
- इस काम को सर्वप्रथम स्पेन और पुर्तगाल निवासियों ने किया। उन्होंने पोप से उन प्रदेशों पर शासन करने का अनन्य अधिकार प्राप्त कर लिया।
- अमरीका के मूल निवासियों तथा यूरोप वासियों के बीच मुठभेड़ हुई। यूरोप वासियों ने अमरीकी लोगों की पाण्डुलिपि और स्मारको को नष्ट कर दिया।
- कैरीबियन सागर स्थित छोटे सैकड़ों द्वीप समुहों और बृहतर ऐंटिलीज में अरावाकी समुदाय के लोग रहते थे। ये लोग अमरीका के मूल निवासी थे।
- अरावाकी लोगों का व्यवहार इतना उदार था कि वे सोने की तलाश में स्पेनी लोगों का साथ देने को तैयार हो गये।
- तुपिनांबा-दक्षिणी अमरीका के पूर्वी तट पर ब्राजील नामक पेड़ों के जंगलों में बसे हुए गाँवों में रहने वाले लोग।
- मध्य अमरीका में कुछ सुगठित राज्य- एजटेक, माया और इंका। इन सभ्यताओं का आर्थिक आधार- मक्के की अधिक उपज।
- एजटेक सभ्यता- निवास स्थान- मैक्सिको की मध्यवर्ती घाटी, श्रेणी बद्ध समाज, भूमि की कमी चिनाम्पा द्वारा पूरा करना, ग्रामीण आधार।
- बच्चों की शिक्षा- कुलीन वर्ग के बच्चे कालमेकाक बाकी बच्चे पड़ोस के तपोकल्ली स्कूल में। लड़कियों को घरेलू कामधन्धो में कुशलता।
- माया सभ्यता- मक्के की खेती- सभ्यता का मुख्य आधार उन्नतिशील खेती के तरीके- सांस्कृतिक विकास- वास्तुकला, खगोल विज्ञान और गणित विषय की जानकारी/चित्रात्मक लिपि।
- इंका लोग- साम्राज्य अत्यन्त केन्द्रीकृत, प्रशासन की भाषा क्वेचुआ साम्राज्य का ढ़ांचा पिरामुडनुमा, उच्चकोटी के भवन निर्माता, सभ्यता का आधार कृषि, मुख्य फसल मक्का, आलू।
- विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों ने यूरोपवासियों की साहसिक खोजों के लिए प्रेरणा दी। यूरोप की अर्थव्यवस्था में गिरावट तथा ईसाइ धर्म के प्रसार की इच्छा ने भी इन यात्राओं को प्रेरित किया।
- हजारों वर्ष पहले से उत्तरी एवं दक्षिणी अमरीका तथा निकटवर्ती द्वीप समूहों में अनेक जनसमुदायों का निवास था। इस क्षेत्र में अनेक संस्कृतियाँ बड़ी सभ्यताओं के रूप में विद्यमान थीं।
- अरावाकी लुकायों समुदाय के लोग खेती, शिकार और मछली पकड़कर अपना जीवन-निर्वाह करते थे। वे मुख्य रूप से मक्का, मीठे आलू, कंद-मूल तथा कसावा की खेती करते थे।
- तुपिनाबा लोग दक्षिणी अमरीका के पूर्वी समुद्र तट पर तथा ब्राजील के जंगलों में बसे ग्रामों में रहते थे। उनका जीवन स्वच्छद था क्योंकि वहाँ न तो कोई राजा था, न सेना और न ही चर्च।

- माया, एजटेक एवं इंका मध्य और दक्षिणी अमरीका में तीन सुगठित राज्य थे। माया सभ्यता इस क्षेत्र की सबसे पहली और ज्ञात महान सभ्यता थी। इसके अतिरिक्त इस सभ्यता की नौकरशाही पर्याप्त सख्त थी। इसमें समाज के प्रभुत्वशाली लोग भी सम्मिलित थे।
- इंका संस्कृति दक्षिणी अमरीकी देशज संस्कृतियों में सर्वाधिक विशाल संस्कृति थी। राजा सत्ता का उच्चतम स्रोत था और प्रशासन की सभी शक्तियाँ उसके हाथों में केंद्रीकृत थी।
- एजटेक सभ्यता भी माया सभ्यता के समान एक मध्य अमरीकी सभ्यता थी। इसका समाज एक श्रेणीबद्ध समाज था। लोग शिक्षा-प्रेमी थे। लेकिन कुलीन लोगों के बच्चे विशेष स्कूलों में पढ़ते थे।
- नि:संदेह माया, इंका और ऐज़टेक सभ्यताओं में कुछ विशेषताएँ भी थीं। इन तीनों सभ्यताओं का प्रमुख खाद्य पदार्थ मक्का था। उनको कैलेंडर का ज्ञान था और तीनों के द्वारा इसका उपयोग किया जाता था।
- पंद्रहवीं शताब्दी में सोना और चाँदी प्राप्त करने की इच्छा, यश अर्पित करने की इच्छा और ईसाई धर्म का प्रचार करके ईश्वर की सेवा करने की भावना ने यूरोपीय नौ-चालन को सहयोग प्रदान किया।
- स्पेन और पुर्तगाल की भौगोलिक स्थिति ने उन्हें अटलांटिक पारगमन की प्रेरणा दी। इन दोनों का अटलांटिक महासागर पर स्थित होना उनके लिए अटलांटिक पारगमन का प्रथम महत्वपूर्ण कारण बना।
- इसी क्रम में पुर्तगाली शासक प्रिंस हेनरी ने नाविकों को जलमार्गों द्वारा नए-नए स्थानों की खोज के लिए प्रोत्साहित किया।
- इसी प्रकार स्पेनवासियों ने नाविक कोलंबस को भारत की खोज के लिए धन से यथासंभव सहायता की। यह सत्य है कि उसने अटलांटिक सागर से होकर भारत पहुँचने का प्रयास किया और अनजाने में ही वह अमरीका को खोज निकालने में समर्थवान हुआ।
- अमरीका में स्पेन ने अपने साम्राज्य का विस्तार बारूद तथा सैन्य-शक्ति के द्वारा किया। स्थानीय लोग स्पेनी शासकों को नजराना दिया करते थे या उनके लिए सोने-चाँदी की खानों में कार्य करते थे।
- कोर्टेस और उसके सैनिकों को मैक्सिको पर अधिकार करने के लिए किसी विशेष प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा।
- इंका साम्राज्य का ढाँचा पिरामिडनुमा था। इसका अर्थ यह था कि यदि एक बार इंका प्रधान जकड़ लिया जाता तो उसके शासन की सारी जंजीर अचानक टूट जाती थी।
- पिजारों कोर्टेस के विपरीत था। वह गरीब और अनपढ़ था। 1502 ई० में वह सेना में भर्ती होकर कैरीबियन द्वीपसमूह में आया। उसने सुन रखा था कि इंका राज्य चाँदी और सोने का देश (El-dor-ado) है।
- चिनाम्पा- सरकंडे की बहुत बड़ी चटाईयाँ बुनकर और उन्हें मिट्टी तथ पत्तों से ढूँढ़कर मैक्सिको झील में कृत्रिम टापू बनाये गए।
- क्रिस्टोफर, कोलम्बस एक स्वयं शिक्षित व्यक्ति एक छोटा बेड़ा जिसमें सांता मारिया और दो कैरेवल- पिंटा और नीना थे को लेकर कैरीबियन सागर में स्थित ‘बहामा’ पहुँचा।
- स्पेनी साम्राज्य का विस्तार बारूद और घोड़ो के प्रयोग पर आधारित सैन्य शक्ति के आधार पर हुआ। स्पेनी लोगों द्वारा दमन और महामारियों ने अमरीका के मूल निवासियों को विनाश की ओर धकेला।
- कोर्टेस ने दो वर्षों के भीतर मैक्सिको पर अधिकार कर लिया। एजटेको की स्पेनियों के साथ लड़ाई में 600 अत्याचारी विजेता और उतने ही ट्लैक्सकलान के लोग मारे गये। हत्याकांड की इस रात को आँसूभरी रात के नाम से जाना जाता है।
- पिजारो एक गरीब व अनपढ़, सेना में भर्ती होकर कैरीबियन द्वीप समुह पहुँचा। उसने सुन रखा था इंका राज्य सोने और

चाँदी का देश है। स्पेन के राजा के समर्थन में पिजारो ने इंका राज्य का जीता।

- पुर्तगालियों के द्वारा ब्राजील पर कब्जा महज एक इत्तफाक था। 1549 ई० में ब्राजील में पुर्तगाली राजा के अधीन एक औपचारिक सरकार की स्थापना की गई। इसकी राजधानी सैल्वाडोर थी।
- उत्तरी तथा दक्षिणी अमरीका में इन अभियानों के भयावह परिणाम हुए। उदाहरण के लिए, मारकाट के कारण मूल निवासियों की जनसंख्या कम हो गई, उनकी जीवन-शैली का विनाश हो गया और उन्हें गुलाम बनाया जाने लगा।
- 1601 ई० में, स्पेन के फिलिप द्वितीय द्वारा बेगार की प्रथा पर सार्वजनिक रूप से रोक लगा दी गई। लेकिन उसने गुप्त रूप से इस प्रथा को चालू रखा। फिर 1609 ई० में एक कानून द्वारा स्थानीय लोगों को पूर्ण आजादी दे दी गई।
- आज "लैटिन अमरीका" के अधिकतर निवासी देशज यूरोपीय, यूरोपीय और अफ्रीकी मूल के हैं। उनमें से अधिक लोग कैथोलिक संप्रदाय के हैं। उनकी संस्कृति यूरोपीय परंपराओं एवं देशी परंपराओं का अनुपम मिश्रण है।
- अमरीका की खोज से सोने व चाँदी की बाढ़ सी आ गई। इस अधिकता ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और औद्योगिकरण का विकास।
- उत्तरी अमरीका व दक्षिणी अमरीका के मूल निवासियों के लिए इन अभियानों के तात्कालिक कारण- मार काट के कारण मूलनिवासियों की जनसंख्या में कमी, उनकी जीवन शैली का विनाश गुलाम बनाकर खानो, बागानों और कारखानों में काम लिया जाने लगा।
- एजटेक और इंका सभ्यता का अन्त- पूँजीवाद का प्रादुर्भाव।
- नई आर्थिक गतिविधियों का आरम्भ- जंगलों का सफाया भूमि पर पशुपालन, सोने की खोज से खानो का काम आरम्भ इन सब कार्यों के लिए सस्ते श्रम की माँग-दास प्रथा।